हमने कितनी बार पुकारा | By Mueksh Bagda

आजा.....कन्हैया आजा.....
आजा.....कन्हैया आजा.....

हमने कितनी बार पुकारा
हो कहाँ तुम सांवरिया
आजा.....कन्हैया आजा.....

जो नाव कोई चला नहीं पाए
उसे श्याम तू ही पार लगाए
यही है पेशा श्याम तेरा
हो कहाँ तुम सांवरिया
आजा.....कन्हैया आजा.....

पहले ये नैया चलाई ना होती
बुलाने की आदत लगाई ना होती
कई दफा तूने हमको उबारा
हो कहाँ तुम सांवरिया
आजा.....कन्हैया आजा.....

पहले तो आते थे बिना ही बुलाये
इस बार ना तुम बुलाने से आये
भूल गए क्या नाम हमारा
हो कहाँ तुम सांवरिया
आजा.....कन्हैया आजा.....

हाथों का ज़ोर तेरा निकल गया क्या
बनवारी पेशा बदल गया क्या
छोड़ दिया क्या देना सहारा
हो कहाँ तुम सांवरिया
आजा.....कन्हैया आजा.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-mueksh-bagda/